

चलित सब्जी विक्रय केंद्र: एग्री स्टार्टअप युवाओं को आत्म निर्भर बनाने का बेहतर विकल्प

संदीप शंकरराव चौहान

कृषि विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केन्द्र जिला अनुपपुर, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
अमरकंटक

युवाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए एग्री स्टार्टअप की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है जिसमें चलित सब्जी वाहन कम लागत में आमदनी बढ़ाने के साथ साथ आम जन तक पौष्टिक व ताजी सब्जियां उपलब्ध कराने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम बन सकता है, जो किसानों, उपभोक्ताओं और युवाओं-तीनों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।। आज के दौर में कृषि और इससे जुड़े स्टार्टअप्स युवाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का एक बड़ा जरिया बन रहे हैं।

चलित सब्जी विक्रय केंद्र क्या है?

यह एक ऐसा व्यवसाय मॉडल है, जिसमें सब्जियों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँचाने के लिए मोबाइल वैन, ठेले या ई-रिक्शा का उपयोग किया जाता है। यह मॉडल पारंपरिक सब्जी मंडियों और स्थायी दुकानों पर निर्भरता को कम करता है और ताजा सब्जियां उचित मूल्य पर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराता है।

चलित सब्जी विक्रय केंद्र युवाओं के लिए फायदे:-

1. कम निवेश में व्यवसाय की शुरुआत: इस मॉडल में शुरुआत के लिए बहुत अधिक पूंजी की आवश्यकता नहीं होती।
 2. स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता: रोजगार की तलाश करने के बजाय युवा स्वयं का व्यवसाय कर सकते हैं।
 3. सीधे ग्राहकों से जुड़ाव: ताजा उत्पादों की सीधी बिक्री से अच्छा लाभ प्राप्त किया जा सकता है।
 4. डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन ऑर्डर: डिजिटल पेमेंट, ऐप-आधारित ऑर्डर और होम डिलीवरी जैसी सुविधाओं को जोड़कर व्यवसाय को और आगे बढ़ाया जा सकता है।
- चलित सब्जी विक्रय केंद्र से किसानों को लाभ**

- बिचौलियों की भूमिका कम होने से किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य मिलता है।
- प्रत्यक्ष बिक्री के कारण किसानों को तेजी से भुगतान प्राप्त होता है।
- स्वरोजगार का माध्यम
- मार्केटिंग चैनल को कम किया जा सकता
- आय में बढ़ोतरी

- पारिवारिक स्थिति में सुधार
- जैविक खेती को बढ़ावा

चलित सब्जी विक्रय केंद्र से उपभोक्ताओं को लाभ

- घर बैठे ताजा सब्जियां और उचित दाम पर उपलब्धता।
- समय और मेहनत की बचत।

कैसे शुरू करें?

1. वैन या ठेले की व्यवस्था करें।
 2. स्थानीय किसानों से सीधा संपर्क करें।
 3. ऑनलाइन मार्केटिंग और प्रचार करें।
 4. गुणवत्ता और उचित मूल्य सुनिश्चित करें।
- चलित सब्जी वाहन एग्री स्टार्टअप शुरू करने हेतु आवश्यकता**

कम बजट में मॉडल (क्षमता 200 से 300 किग्रा सब्जी)

1. इलेक्ट्रिक लोडिंग वाहन - 1.5 लाख रु.
2. सब्जी रखने के लिए केरेट- 5000 रु.
3. केरेट रखने के संरचना- 10000 रु.
4. एक सब्जी विक्रेता - 300 रु.
5. तोल मशीन- 1000 रु.

कुल लागत- 166300 रु



मध्यम बजट में मॉडल (क्षमता 300 से 500 किग्रा सब्जी)

1. इलेक्ट्रिक लोडिंग वाहन - 3 लाख रु.
 2. सब्जी रखने के लिए केरेट- 5000 रु.
 3. केरेट रखने के संरचना 10000 रु
 4. एक सब्जी विक्रेता 300 रु.
 5. इलेक्ट्रिक तोल मशीन- 3000 रु.
- कुल लागत- 166300 रु



अधिक बजट मॉडल (क्षमता 500 से 1000 किग्रा सब्जी)

1. लोडिंग वाहन- 8 लाख रु
आवश्यकतानुसार
 2. सब्जी रखने के लिए केरेट 5000 रु.
 3. केरेट रखने के संरचना 10000 रु
 4. एक सब्जी विक्रेता 300 रु.
 5. इलेक्ट्रिक तोल मशीन 3000 रु.
 6. वातानुकूलित मशीन 20000 रु.
- कुल लागत- 838300 रु



चलित सब्जी वाहन एग्री स्टार्टअप से आमजन को लाभ

1. ताजी और पौष्टिक सब्जियों की उपलब्धता
2. उचित दर पर सब्जियों की उपलब्धता
3. पोषण के प्रति जागरूकता

4. आवश्यकतानुसार सब्जियों की मांग की पूर्ति

इस मॉडल को अधिक प्रभावी बनाने के लिए युवा ताजी सब्जियों सेवन करने से होने वाले फायदे स्पीकर के माध्यम से जागरूक कर बाजार बढ़ाया जा सकता है



वातानुकूलित सब्जी वाहन

निष्कर्ष

चलित सब्जी विक्रय केंद्र एक बेहतरीन एग्री-स्टार्टअप आइडिया है, जो न केवल युवाओं को आत्मनिर्भर बना सकता है, बल्कि किसानों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए फायदेमंद है। डिजिटल साधनों का उपयोग कर इसे और अधिक प्रभावी बनाया जा

सब्जी वाहन की संरचना

सब्जी वाहन की संरचना

सकता है, जिससे यह एक सफल और स्थायी व्यवसाय साबित हो सकता है।

नोट - समय पर कृषि उद्यम योजना के तहत प्रोजेक्ट बनाकर सरकार द्वारा सब्सिडी का लाभ लिया जा सकता है! इसमें लगने वाली लागत स्थानीय उपलब्धता के आधार पर कम/ज्यादा हो सकती है!